भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

15 मार्च 2026, रविवार

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा असम के खानापारा में आयोजित विशाल 'युवा शक्ति समारोह' में दिए गए संबोधन के मुख्य बिंदु

मोदी जी ने विश्व का सबसे बड़ा एआई समिट आयोजित किया, लेकिन उसमें कांग्रेस ने भारत को बदनाम करने की कोशिश की।

सदन के द्वार पर चाय-पकौड़ा खाकर राहुल गांधी ने भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बदनाम किया।

असम में बिना पर्ची, बिना खर्ची 1 लाख 65 हजार युवाओं को नौकरी दी गई है, यह भाजपा के सुशासन का परिचायक है।

कांग्रेस ने असम की भाषा, संस्कृति और अस्मिता को कभी भी सम्मान नहीं दिया।

मोदी जी ने बोगीबील ब्रिज, ढोला-सदिया ब्रिज, AIIMS, IIM और सिलचर एक्सप्रेसवे जैसी विश्वस्तरीय आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर असम को दी है।

मोदी सरकार ने बोडो, कार्बी, आदिवासी, DNLA और उल्फा शांति समझौते करके कांग्रेस के समय बनी असम की विद्रोही छवि को समाप्त किया।

असम में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री का शिलान्यास कर मोदी जी ने असम और नॉर्थ ईस्ट के युवाओं के लिए विकास के नए रास्ते खोले।

कांग्रेस ने असम को घुसपैठियों का पनाहगार बनाया, मोदी सरकार ने उसी असम में 1 लाख 51 हजार बीघा जमीन घुसपैठियों से मुक्त कराई।

कांग्रेस द्वारा लीगलाइज, फॉर्मलाइज और नॉर्मलाइज किए गए घुसपैठियों को भाजपा चुन-चुनकर देश से बाहर निकालेगी।

राहुल गांधी चाहे जितना विरोध कर लें, असम में सरकार बनने पर घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा।

मोदी सरकार ने असम के अहोम, चुटिया, मोरान, कोच, राजवंशी और चाय जनजाति को भूमि का मालिक बनाकर सम्मानपूर्ण जीवन उपलब्ध कराया।

मोदी जी ने चाय बागानों के 3.5 लाख श्रमिकों को जमीन का अधिकार और 5000 रुपये की आर्थिक सहायता देकर उनके सम्मान और सुरक्षा को सुनिश्चित किया है।

****

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज रविवार को असम के खानापारा में आयोजित विशाल 'युवा शक्ति समारोह को संबोधित किया और घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, जमीन मुक्त कराने और तीसरे जनादेश के साथ राज्य को पूरी तरह घुसपैठमुक्त बनाने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम में असम के 31,400 बूथों से आए लगभग 1.20 लाख युवा उपस्थित थे। श्री शाह ने कहा कि ये इतनी अधिक संख्या में युवाओं की उपस्थिति ही असम विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत का संकेत है। कार्यक्रम में मंच पर असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री दिलीप सैकिया, असम प्रदेश भाजपा चुनाव प्रभारी एवं सांसद श्री बैजयंत जाऊ पांडा, प्रदेश प्रभारी श्री हरीश द्विवेदी, केंद्रीय मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा, भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या, सांसद श्रीमती बिजुली कलिता, श्री कामाख्या प्रसाद तासा और श्री राकेश दास सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि कुछ दिन पहले मुझे मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा का फोन आया था कि युवा मोर्चा का महासंगम होने जा रहा है और मैं उसमें आऊं। मेरे मन में यह कल्पना थी कि लगभग 25,000–30,000 युवा एकत्रित होंगे, लेकिन आज मैं देख रहा हूं कि **किसी भी दल या राजनीतिक पार्टी की इतनी बड़ी जनसभा नहीं हो सकती, जितना यह युवा मोर्चा का संगम है। असम के 31,400 बूथों से 1,25,000 युवा आज इस पंडाल में उपस्थित हैं।** किसी भी चुनाव का परिणाम क्या होगा, इसका आकलन पार्टी के युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के संकलन से होता है। **आज युवाओं का यह महाकुंभ स्पष्ट कर देता है कि आने वाले दिनों में फिर से श्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में यहाँ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। असम के इस मैदान से मैं यह भी भविष्यवाणी कर रहा हूं कि आगे बनने वाली सरकार असम की अब तक की सबसे बड़े बहुमत वाली सरकार होगी।**

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पिछले चुनाव में जब मैं यहाँ आया था, तब मैंने घोषणा पत्र जारी किया था, जिसमें यह कहा गया था कि 1 लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी। एक महीने पहले जब मैं फिर से असम आया तो श्री हिमंता बिस्वा सरमा से इस वादे का हिसाब माँगा। इस पर मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि **1 लाख नहीं, बल्कि 1,65,000 युवाओं को नौकरी देने का काम पूरा हो चुका है।** आज 1,25,000 युवाओं की उपस्थिति में वे पूछना चाहते हैं कि जिन 1,65,000 युवाओं को नौकरी मिली है, क्या किसी को 25 पैसे का भी घूस देना पड़ा है? क्या किसी नेता की सिफारिश करानी पड़ी है? **बिना खर्ची**

और बिना पर्ची के 1,65,000 युवाओं को भाजपा सरकार ने नौकरी दी है। यही उदाहरण है कि भारतीय जनता पार्टी किस प्रकार से सरकार चलाती है। पिछले 10 वर्षों में, पहले 5 साल श्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में और उसके बाद 5 साल डॉ हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सरकार चली और युवाओं के भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए अनेक काम किए गए। हम इस मंच से राहुल गांधी से पूछना चाहते हैं कि उन्होंने युवाओं के लिए क्या किया? **असम में 15 साल तक कांग्रेस की सरकार रही और उनके मुख्यमंत्री ने युवाओं के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि केवल अपने परिवार के लिए ही काम किया।**

श्री शाह ने कहा कि **भारतीय जनता पार्टी ने असम के सभी मान-बिंदुओं को आगे बढ़ाने का काम किया है।** 15 वर्षों तक असम में कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन वीर लचित बरफुकन को विश्व में बहुत कम लोग जानते थे। **आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लचित बरफुकन की भव्य प्रतिमा का उद्घाटन किया**। दिल्ली के विज्ञान भवन में भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लचित बरफुकन पर विस्तार से भाषण दिए और देश के हर युवा को उनके बारे में जानकारी दी। साथ ही लचित बरफुकन का जीवन चरित्र भारत की सभी भाषाओं में उपलब्ध कराया गया। **चराइदेव मोइदाम को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट के रूप में विकसित कर असम का गौरव बढ़ाने का काम किया गया।** इसके साथ ही **भूपेन हजारिका जी को भारत रत्न देकर असम की संस्कृति का सम्मान किया गया। गोपीनाथ बोरदोलोई जी को भारत रत्न देने का काम भी श्रद्धेय अटल जी के समय हुआ था। पिछले पाँच वर्षों में असम के बिहू नृत्य को वर्ल्ड रिकॉर्ड की सूची में शामिल किया गया, चाय बागान के झूमर नृत्य को भी विश्व स्तर पर पहचान दिलाई गई और बोडो समुदाय के बागुरुंबा नृत्य को भी वर्ल्ड रिकॉर्ड की सूची में स्थान दिलाया गया। श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि को घुसपैठियों से मुक्त कराकर वहाँ एक भव्य स्मारक बनाया गया। साथ ही असम आंदोलन में शहीद हुए युवाओं और सभी शहीदों की स्मृति में भी एक बहुत बड़ा स्मारक बनाने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया।**

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि **कांग्रेस ने कभी भी असम की संस्कृति, कला और भाषा का सम्मान नहीं किया।** यह सम्मान तब संभव हुआ जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी। कांग्रेस के शासनकाल में असम एक प्रकार से विद्रोह का स्थान बन गया था, जहाँ सैकड़ों युवा मारे गए। अनेक हथियारबंद समूह सक्रिय थे और जब पुलिस मारी जाती थी तो असम का ही युवा मरता था, वहीं पुलिस की गोली से भी यदि कोई मारा जाता था तो वह भी असम का ही युवा होता था। **वर्ष 2020 में बोडो शांति समझौता, 2021 में कार्बी शांति समझौता, 2022 में आदिवासी शांति समझौता, 2023 में DNLA समझौता और 2023 में उल्फ़ा (ULFA) समझौता कर असम को शांत बनाने का काम यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किया गया। 10,800 से अधिक हथियारबंद समूहों के सदस्यों ने आत्मसमर्पण किया है।** आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में असम में बड़े पैमाने पर विकास कार्य हुए हैं। बोगीबील ब्रिज पूरे विश्व में इंजीनियरिंग का एक अजूबा माना जा रहा है। इसके साथ ही भूपेन हजारिका ब्रिज, कुमार भास्कर ब्रिज, असम में एम्स (AIIMS), आईआईएम (IIM), NFSU और रिवरफ्रंट का निर्माण हो रहा है तथा सिलचर एक्सप्रेसवे का भूमि पूजन भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। **क्या कांग्रेस के शासन में कोई यह कल्पना कर सकता था कि 27,000 करोड़ रुपये का निवेश एक ही फैक्ट्री में सेमीकंडक्टर के लिए आएगा? यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र**

मोदी जी ने सेमीकंडक्टर की पहली फैक्ट्री का यहाँ भूमि पूजन कर युवाओं के लिए विकास के नए रास्ते खोले हैं। असम का GSDP 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 7.5 लाख करोड़ रुपये और प्रति व्यक्ति आय जो 2014 में 49,000 रुपये थी, उसे बढ़ाकर 1,54,000 रुपये तक पहुँचाने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है।

अवैध घुसपैठ पर कडा प्रहार करते हुए श्री शाह ने कहा कि **कांग्रेस की सरकार में असम को घुसपैठियों की पनाहगाह बना दिया गया था।** भाजपा ने वादा किया था कि असम को घुसपैठिया मुक्त बनाया जाएगा। घुसपैठिए काजीरंगा के जंगलों और श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि तक पर कब्जा कर बैठे थे। डॉ हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में **1,51,000 बीघा जमीन घुसपैठियों से मुक्त कराई गई है।** मैं आज असम की जनता से कहना चाहता हूं कि **यदि एक तीसरा जनादेश मिल जाता है, तो केवल असम ही नहीं बल्कि पूरे देश से घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकालने का काम किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी कभी घुसपैठियों को नहीं निकाल सकती। धुबरी, बरपेटा, दर्रांग, मोरीगाँव, बोंगाईगाँव, नगाँव और गोलपाड़ा जैसे जिलों में घुसपैठिए घुस आए हैं और बनने वाली सरकार एक-एक घर की जाँच कर उन्हें बाहर निकालने का काम करेगी। असम को घुसपैठिया मुक्त बनाने का काम केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। कांग्रेस ने इसे लीगलाइज़, फॉर्मलाइज़ और नॉर्मलाइज़ करने का काम किया।** भारतीय जनता पार्टी उन घुसपैठियों को भी बाहर निकालने का संकल्प लेती है जिन्हें सामान्य बना दिया गया था। **राहुल गांधी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि एसआईआर के कारण घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हट रहे हैं। यह केवल शुरुआत है और नाम कटने पर यह प्रक्रिया नहीं रुकेगी। नाम तो हटेंगे ही और एक-एक घुसपैठिए को देश की भूमि छोड़कर जाना पड़ेगा। यह भारतीय जनता पार्टी का वादा है। कांग्रेस ने जाति, माटी और भेटी तीनों का अपमान किया है।**

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि **मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा ने असम की पुलिस को आधुनिक बनाने का काम किया है।** पहले पुलिस हथियारबंद समूहों के खिलाफ लड़ाई में व्यस्त रहती थी, लेकिन अब सभी हथियारबंद समूहों ने आत्मसमर्पण कर दिया है और पुलिस असम के युवाओं, माताओं और बहनों की सुरक्षा में लगी हुई है। मैं आज यह घोषणा कर रहे हैं कि जो तीन नए कानून लागू हुए हैं, उनके लागू होने के तीन वर्ष बाद असम में सज़ा दिलाने की दर, यानी कन्विक्शन रेशियो, 80 प्रतिशत से अधिक करने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी। **सबसे बड़ा काम वसुंधरा-1, वसुंधरा-2 और वसुंधरा-3 योजनाओं के तहत किया गया है, जिसके माध्यम से असम के अहोम, चुटिया, मोरन, मटक, कोच राजबंशी और चाय जनजाति के लोगों को जमीन का अधिकार दिया गया है।** लाखों लोगों को जमीन का अधिकार देने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है। कांग्रेस के शासन में चाय जनजाति और आदिवासी समाज के लिए कोई ठोस काम नहीं हुआ **था। कांग्रेस के समय चाय बागानों के मजदूरों की दिहाड़ी केवल 94 रुपये थी, जिसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बढ़ाया है। 'एटी कली ड्यूटी पाती' योजना के तहत हर चाय बागान के श्रमिकों को 5,000 रुपये की सहायता दी गई। साथ ही 120 मॉडल स्कूल बनाए गए और 707 चाय बागानों में 3.5 लाख परिवारों को उनकी जमीन का अधिकार देने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है।**

कांग्रेस पर जोरदार हमला बोलते हुए श्री शाह ने कहा कि **एक ओर कांग्रेस पार्टी है जो भ्रष्टाचार में लिप्त है और दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी है जो विकास के रास्ते पर देश को आगे ले जाती है। एक ओर कांग्रेस पार्टी है जो तुष्टिकरण की राजनीति के कारण घुसपैठ होने देती है, जबकि दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी है जो असम को बचाने के लिए घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकालने का संकल्प करती है। एक ओर कांग्रेस पार्टी है जो केवल अपने बेटे-बेटियों की चिंता करती है, जबकि दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी है जो असम के गरीबों के बेटे-बेटियों के भविष्य की चिंता करती है। एक ओर कांग्रेस पार्टी है जो एआई सम्मेलन में कपड़े उतारकर भारत को बदनाम करने का काम करती है, जबकि दूसरी ओर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं, जिन्होंने एआई सम्मेलन आयोजित कर 80 देशों के एआई विशेषज्ञों और कंपनियों को भारत में आमंत्रित किया तथा 20 राष्ट्राध्यक्षों को बुलाकर भारत और असम के युवाओं के लिए एआई के क्षेत्र में नए अवसरों के द्वार खोले।**

श्री शाह ने कहा कि **एक ओर भारतीय जनता पार्टी है जो संसद के भीतर बहस और संवाद को महत्व देती है, जबकि दूसरी ओर राहुल गांधी हैं जो संसद को बंद कराकर संसद के द्वार पर चाय-पकौड़ा खाकर संसद का अपमान करते हैं। असम के युवाओं को यह तय करना है कि अगले पाँच वर्षों के लिए असम का शासन किसके हाथ में देना है। उस कांग्रेस पार्टी को, जिसने वर्षों तक युवाओं के भविष्य को बर्बाद किया या फिर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित असम का सपना साकार करने वाली भारतीय जनता पार्टी को।** श्री शाह ने युवाओं से आह्वान किया कि मतदान की तिथि तक हर युवा अपने बूथ, अपने गाँव और अपने शहर में पार्टी का संदेश, कमल का निशान, भारत माता की तस्वीर और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पहचान लेकर घर-घर जाएँ। चुनाव तक भाजपा का प्रचार किया जाए, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा के हाथ मज़बूत किए जाएँ और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व को सशक्त बनाया जाए, ताकि असम में एक बार फिर तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई जा सके।

****